हरियाणा तालाब एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण

Bays No-39-40 (Basement), Block-B, Sector-4, Panchkula-134112
E-Mail Id: ms.haryanapondauthority@gmail.com
Website: www.hpwwma.org.in

- माननीय मनोहर लाल खट्टर (मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार) ने हरियाणा राज्य के जल की समस्या, जो कि एक राष्ट्रीय महत्व का विषय भी है, के निदान हेतु एक बड़ा ही महत्वपूर्ण एवं क्रातिकारी निर्णय वर्ष 2018 में लिया। फिर इस दिशा में उनके दिशा निर्देश में हरियाणा सरकार द्वारा "हरियाणा तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण" का गठन अधिनियम 33/2018 के द्वारा दिनांक 23/10/2018 को किया गया है जो राज्य में अधिसूचित वन क्षेत्रों के बाहर स्थित सभी तालाबों, 0.5 एक्ड़ से कम वाले और निजी भूमि पर स्थित तालाबों को छोड़कर, के विकास, संरक्षण कायाकल्प निर्माण एवं प्रबंधन, एवं पानी के उपयोग, इसके उपचार, और सिंचाई के उदेश्य के लिए सीवेज उपचार सयंत्रो से उपचारित पानी के प्रंबधन और उपयोग के क्षेत्र में कार्य करेगा।

- हरियाणा तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण ने हरियाणा राज्य के 0.5 एकड के उपर के सभी तालाबों 16665 (572 शहरी + 16093 ग्रमीण) के डाटा पीडीएमएस (तालाब डाटा प्रंबधन प्रणाली) पर डाल दिये गए है जो कि प्राधिकरण के website (www.hpwwma.org.in) पर Pond Atlas के रूप में जन साधारण के लिए उपलब्ध है। इन सभी 16665 **(572 शहरी + 16093 ग्रमीण)** तालाबों का वर्गीकरण उनके वर्तमान में उपयोग एवं दशा के आधार पर भी किया गया है, जो कि Pond Atlas पर भी उपलब्ध है। (प्रतिलिपि संलग्न)

- प्राधिकरण **ने** PDMS का उपयोग तालाबों के डाटा upload & Management में effectively करने के साथ साथ तालाब डाटा प्रबन्धन प्रणाली में प्राकलनों के गमनागमन एवं उनकी वर्तमान स्थिति जानने हेतु एक प्रबंधन प्रणाली **भी** विकसित की है तथा साथ ही ऐसी ही **व्यवस्था** सर्वेक्षण नक्शे, मृदा परिक्षण विवरण एवं वास्तुकला नक्शे के लिए भी बनायीं गई हैं।

- माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा के निर्देशानुसार, वित्तीय वर्ष 2019 – 20 के दौरान प्रथम प्राथमिकता वाले 18 प्रदूषित तालाबों की सूची को अंतिम रूप दिया गया। माननीय मुख्यामंत्री द्वारा निर्धारित किए गए, 11 घटकों पर आधारित आदर्श ड्राइंग, सभी 18 आदर्श तालाबों के लिए श्री प्रभाकर कुमार वर्मा, कार्यकारी उपाध्यक्ष के नेतृत्व में तैयार की गई और तालाब प्राधिकरण द्वारा पंचायती राज विभाग को जारी कर दी गई। डिजिटल आदर्श ड्राइंग के आधार पर तैयार किये गए अनुमानों के अनुसार इन कार्यों की लागत में लगभग 50 % की सीमा तक भारी कमी आई है। वर्ष 2019–20 के लिए प्रस्तावित 18 आदर्श तालाबों के पूरा होने का समय कार्यक्रम निम्नानुसार है:-

Sr.No	Name of District	Name of Village	Name of Pond	Likely Date Of Completion
1	Ambala	Tepla*	Near Mandir	30.09.2020
2	Jhajjar	Jakhoda	Sawari Pond	30.09.2020
3	Jind	Dhanuari	Tirth	31.10.2020
4	Karnal	Sagga*	Vimleshwar / Vishnupath Tirth	31.12.2020
5	Karnal	Padha*	Panchdev Tirth Pond	31.12.2020
6	Karnal	Kachhawa	Gurudwara Rishi Pond	31.12.2020
7	Karnal	Gonder	Gautam Rishi Pond	31.12.2020
8	Karnal	Keorak*	Koti Kuteshwar Tirth	20.12.2020
9	Kurukshetra	Dayalpur	Bhismkund pond	31.12.2020

10	Palwal	Aurangabad	Bada Talab	31.03.2021
11	Rohtak	Baland	Near Govt School	31.03.2021
12	Rohtak	Nindana Tikri	Sanser Pond	31.03.2021
13	Rohtak	Baniyani	Dudhiya Aala (Thakuranwala)	31.03.2021
14	Sonipat	Kasandi	Mata Wala	31.12.2020
15	Sonipat	Kasanda*	Near Gaushala	31.12.2020
16	Hisar	Rakhi Khas	AAZISHAR II	31.03.2021
17	Rohtak	Bhali Anandpur	Guhi Pond	31.03.2021
18	Rohtak	Bhali Anandpur	Bada Talab	31.03.2021

(*) इन सभी तालाबों के कुछ चित्र भी संलग्न हैं।

- प्राधिकरण ने अगस्त 2019 में, NGT के निर्देशानुसार, उपरोक्त सभी तालाबों का 10 वर्षो का Action Plan तैयार कर, तय सीमा के अंदर CPCB के माध्यम से भेज दिया है।
- इसके अलावा 626 तालाबों पर काम पहले से ही विभित्र योजनाओं के तहत IWRD, PR-PW & ULBD द्वारा पूरा किया जा चुका है।
- मानीनय मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार वितिय वर्ष 2020 – 21 के लिए, महाग्राम, धार्मिक, ऐतिहासिक, महत्व वाले तालाब एवं NH44 के साथ लगते, कुल 200 तालाबों की एक सूची प्रदूषित तालाबों की प्राथमिकता के आधार पर तैयार की गई है, जिन्हें आदर्श तालाबों के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- माननीय मुख्यमंत्री जी की यह vision है कि इन तालाबों के Restoration के लिए आवश्यक नक्शे बनाने मे अपने हरियाणा राज्य के तकनीकी संस्थानो में पढ़ रहे Civil एवं Architecture विभागो के विद्यार्थियों को भी शामिल किया जाए। इसके लिए प्राधिकरण उपरोक्त 200 तालाबों की सूची में से 103 तालाबों की आदर्श ड्रॉइंग तैयार करने के लिए 26 तकनीकी संस्थानों (3 विश्वद्यिालयों, 1 राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी संस्थान (NIT) और 22 बहुतकनीकी संस्थान) को TE विभाग के द्वारा आवंटित किए जा चुके है। शेष 97 तालाबों की आदर्श ड्राइंग तालाब प्राधिकरण द्वारा स्वयं ही तैयार की जा रही है।

  इस संदर्भ में तकनीकि शिक्षा विभाग के अनुरोध पर, तालाब प्राधिकरण के अधिकारी संबंधित तकनीकि संस्थानों के faculty के विभिन्न ग्रुपों का Digital Survey एवं Sub Soil Strata Investigation का उनके Allotted Pond के Site पर **ही** संबंधित equipments के साथ प्रशिक्षण तथा उस Digital Survey Data के आधार पर Digital Survey Drawings बनाने का प्रशिक्षण **भी** देने का कार्य कर रहे है।

- श्री प्रभाकर कुमार वर्मा जी ने तालाबों में आ रहे गाँव के गंदे जल को उपचार के उपंरात तालाबों में उपयोग करने हेतु, प्रो. सी. आर. बाबू पर्यावरणविद, DU के साथ सलाह एवं चर्चा के उपरांत, सभी 18 आदर्श तालाबों के अपशिष्ट जल के उपचार हेतु, निर्मित वेटलैंड तकनीक (CONSTRUCTED WETLAND TECHNOLOGY) को अपनाने का फैसला किया है, क्योंकि इसमें शून्य उजा की खपत, कम से कम रखरखाव, अधिक किफायती और साथ ही साथ यह अन्य तकनीकों की तुलना में सबसे प्रभावी तकनीक है। तदानुसार, इस तकनीक पर आधारित 18 तालाबों की मॉडल ड्राइंग पंचायत विभाग के संबंधित कार्यकारी अभियंताओं को पहले ही जारी की जा चुकी है।

- इसके अलावा, ट्रीब्यूट्री ड्रेन नंबर 4 के गंदे पानी के उपचार की योजना भी, तालाब प्राधिकरण द्वारा निर्मित वेटलैंड तकनीक (CONSTRUCTED WETLAND TECHNOLOGY) के माध्यम से प्रस्तावित की गई है ताकि सोनीपत जिला के, कॉसंडा एवं कासंडी गांवो के प्रस्तावित आदर्श तालाबों को भरने के लिए उक्त ड्रेन के उपचारित पानी का उपयोग किया जा सके, जिससे कि नहर का पानी एवं उन तलाबों तक लाने के

खर्च मे बचत हो सके तथा साथ ही साथ इस ड्रेन के उपचारित जल का उपयोग स्थाई रूप से सिंचाई प्रयोजनों के लिए भी किया जा सके।

- अंत में यहाँ यह उल्लेख करना बड़ा ही महत्वपूर्ण है कि दिनांक 25.08.2020 को 2nd Meeting of Expert Committee of NGT के समक्ष, CPCB के द्वारा आयोजित Video Conference Meeting में, हरियाणा तालाब के द्वारा, NGT की अपेक्षा के अनुरूप, अब तक के किए गए प्रयासों को Expert Committee से बड़ी ही सराहना मिली तथा CPCB को यह भी सलाह दी गई कि हरियाणा तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण के Pond Management System को देश के अन्य सभी राज्यों में भी लागू किया जा सकता है।

हरियाणा तालाब प्राधिकरण NGT के निर्देशानुसार अब अगले चरण में:–

I. ऐसे सभी तालाबों की सूची (तय Format में) जिसमे Domestic Garbage Waste एवं मवेशियों के गोबर डाले जा रहे हैं या उनकी सीमा में रखे जाते हैं, का Data भी PDMS में Upload करने के लिए राज्य के सभी DPMO को लगातार निर्देश दे रहा है।

II. साथ ही राज्य के सभी ऐसे तालाबों /Water Bodies (जो कि सरकारी भूमि स्थित हैं) जिसका क्षेत्र 0.5 Acre से कम है, को भी PDMS पर Upload करने का निर्देश भी राज्य के सभी DPMOs को जारी कर दिया गया है।

III. PDMS पर Uploaded उपरोक्त Data के आधार पर वार्षिक योजना बनाकर NGT को भेजे जाने की कार्यवाही भी प्राधिकरण प्राथमिकता के आधार पर कर रही है।

- श्री प्रभाकर कुमार वर्मा, कार्यकारी उपाध्यक्ष State Environment Impact Assessment Authority, Haryana, के State Expert Appraisal Committee में सदस्य होने के कारण Corporate Environment Responsibility (CER) के अंतर्गत भी राज्य के तालाबों को restore करवाने का प्रयास, प्राधिकरण के मानदंडों के आधार एवं निर्देश पर किया जा रहा है, जिसका विवरण SEAC से प्राप्त सूची के आधार पर PDMS पर भी अंकित किया गया है।

****